डॉ. वरूण कुमार उपाध्याय
सहायक प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम संयोजक एम.ए.समाजशास्त्र

जिन विद्यार्थियों ने एम.ए. समाजशास्त्र (सत्र- 2018-20) द्वितीय वर्ष में प्रवेश लिया है एवं पूरक ऐसे सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. समाजशास्त्र के द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर प्रस्तुत करें। एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य का विवरण निम्नलिखित इस प्रकार हैं -

एमएएस 11 – आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

एमएएस 12 – शोध प्रविधि (II)

एमएएस 13 – भारतीय समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

एमएएस 14 – सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

एमएएस 15 – ग्रामीण समाजशास्त्र

एमएएस 16 – आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

एमएएस 17 – भारतीय सामाजिक समस्याएँ

एमएएस 18 – संविधान एवं मानवाधिकार

एमएएस 19 – नगरीय समाजशास्त्र

एमएएस 20 – परियोजना कार्य

उद्देश्य –

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश-

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढिए एवं इनका अनुपालन करें –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम: ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या: ....

नाम: ....

पता: ....

..

मो.: ....

ई-मेल: ....

दिनांक: ....

पाठ्यक्रम का नाम: एम.ए. समाजशास्त्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक :...........................

प्रश्न-पत्र कोड :...................................

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित करके प्रस्तुत लिया जा रहा है।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का ही स्तेमाल करें। उन सभी कागजों में एक ही तरफ लेखन कार्य क्रेन।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें ।

   शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

(डॉ. वरूण कुमार उपाध्याय)

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 11**
प्रश्न पत्र :	**आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : प्रघटना विज्ञान को परिभाषित करते हुए एडमंड हर्सेल के विचारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 02 : लोकविधि विज्ञान को परिभाषित करते हुए गर्फ़िंकल के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : इरविंग गॉफमैन के अभिनयशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट करते हुए इनके सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : नवप्रकार्यवाद को परिभाषित करते हुए नवप्रकार्यवाद एवं प्रकार्यवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : लुईस अल्थुजर के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 12**
प्रश्न पत्र :	**शोध प्रविधि (II)**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत को स्पष्ट करते हुए इनके तकनीकों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : प्रश्नावली को परिभाषित करते हुए बंद एवं खुली प्रश्नावली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : अवलोकन को परिभाषित करते हुए अवलोकन के विभिन्न प्रकारों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : 'सह-संबंध' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : सामाजिक विज्ञान में शोध हेतु विश्वसनीयता एवं वैधता की आवश्यक को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 13**
प्रश्न पत्र :	**भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : समाजशास्त्रीय अध्ययन में भारतशास्त्र या ग्रंथ परिप्रेक्ष्य को परिभाषित करते हुए लुई ड्यूमा के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : भारतीय समाजशास्त्र के विकास के रूप में जी.एस.घुर्ये के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मकपरिप्रेक्ष्य को परिभाषित करते एम.एन. श्रीनिवास के विचारों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदानों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : सामाजिक मूल्य के जनक के रूप में राधा कमल मुखर्जी के विचारों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 14**

प्रश्न पत्र : **सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण**

अंतिम तिथि: **31 मार्च, 2021**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करते हुए उद्विकास की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : औद्योगीकरण की अवधारणा की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : किन्ही 2 पर टिप्पणी लिखिए।

A. नगरीकरण
B. आधुनिकीकरण
C. संस्कृतिकरण

प्रश्न संख्या 04 : सामाजिक नियंत्रण को परिभाषित करते हुए नियंत्रण केअभिकरणों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधनों पर प्रकाश डालिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 15**
प्रश्न पत्र :	**ग्रामीण समाजशास्त्र**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 02 : भारतीय कृषक समाज पर अपने विचार लिखिए।

प्रश्न संख्या 03 : ग्रामीण समाज के अध्ययन के विविध उपागमों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 04 : 'प्रभु जाति' की संकल्पना की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : भारत सरकार के सामुदायिक विकास कार्यक्रम को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 16**
प्रश्न पत्र :	**आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : आधुनिकता को परिभाषित करते हुए इसके विविध लक्षणों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : भारत में आधुनिकता के संदर्भ में योगेन्द्र सिंह एवं दीपांकर गुप्ता के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : देरीदा के 'विखंडन सिद्धांत' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : गिडेंस के सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : उत्तर-आधुनिकता को परिभाषित करते हुए आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता में अंतर स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 17**
प्रश्न पत्र :	**भारतीय सामाजिक समस्याएँ**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सामाजिक समस्या की अवधारणा एवं उपागम की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : प्रवासन को परिभाषित करते हुए प्रवासन के विविध कारणों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : किन्हीं 02 पर टिप्पणी लिखिए-

A. वृद्ध

B. बाल मजदूर

C. अल्पसंख्यक

प्रश्न संख्या 04 : 'आतंकवाद' पर निबंध लिखिए।

प्रश्न संख्या 05 : भारत में तेजी से हो रहे नगरीकरण के विविध कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिए। ।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 18**
प्रश्न पत्र :	**संविधान एवं मानवाधिकार**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : भारतीय संविधान के निर्माण की ऐतिहासिक पृष्टभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 02 : भारतीय संविधान का परिचय देते हुए संविधान की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : मूल अधिकार एवं नागरिक कर्तव्यों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : मानवाधिकार को परिभाषित करते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 05 : मानवाधिकार संबंधी विभिन्न राष्ट्रीय संगठनों के योगदानों को कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 19**

प्रश्न पत्र : **नगरीय समाजशास्त्र**

अंतिम तिथि: **31 मार्च, 2021**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : नगरीय समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुए नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : नगरीय समाज के अध्ययन की विविध उपागमों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : नगरों में पाए जाने वाले 'मलिन अथवा झुग्गी बस्तियों' की समाजशास्त्रीय व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : भारत में नगरीय शासन व्यवस्था की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : नगरीय समाजशास्त्र के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

एम.ए. (सत्र 2018-20 एवं पूरक) चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 20**
प्रश्न पत्र :	**परियोजन कार्य**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**100 अंक**

नोट :- परियोना कार्य नामक प्रश्न-पत्र में आप सभी विद्यार्थियों को सत्रीय लिखने की आवश्यकता नहीं है बल्कि किसी एक सामाजिक विषय पर परियोजना कार्य करना होगा। परियोजना कार्य प्रारंभ से अंत तक पूर्ण करने हेतु आप सभी को एक परियोजना निर्देशिका उपलब्ध कराई जाएगी। इस निर्देशिका में परियोजना कार्य कैसे पूर्ण करें? से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध होगी।